SOUTH CENTRAL RAILWAY

PRESS RELEASE

PUBLIC RELATIONS OFFICE, SECUNDERABAD - 500 071

No.439/2015-16

01-10-2015
Secunderabad

द.म.रे. पर स्वच्छता शपथ दिलाई गई

श्री एस.एन. सिंह, प्रमुख मुख्य इंजीनियर, द.म.रे. ने 1 अक्तूबर, 2015 को रेल निलयम, सिकंदराबाद में इंजीनियरी विभाग के अधिकारियों तथा कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाते हुए.

श्री जी. लक्ष्मीनारायण, मुख्य वाणिज्य प्रबंधक, द.म.रे. ने 1 अक्तूबर, 2015 को रेल निलयम, सिकंदराबाद में वाणिज्य विभाग के अधिकारियों तथा कर्मचारियों को "स्वच्छता शपथ" दिलाते हुए.

श्रीमती अरुणा सिंह, मंडल रेल प्रबंधक, हैदराबाद मंडल, द.म.रे. ने 30 सितंबर, 2015 को रेल निलयम, सिकंदराबाद में हैदराबाद मंडल के अधिकारियों तथा कर्मचारियों को "स्वच्छता शपथ" दिलाते हुए.

संयोगवश इस वर्ष रा ष्ट्र के पिता महात्मा गांधी जी की जयंती के साथ जुड़ी "स्वच्छता शपथ" के उपलक्ष्य में दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए "स्वच्छ शपथ" लिया। स्वच्छता के प्रति द.म.रे. का यह प्रयास वर्ष 2019 तक कुल स्वच्छता के लिए राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए "स्वच्छ भारत अभियान" को जारी रखेगा । स्वच्छता शपथ , उनके संबंधित प्रमु ख विभागध्यक्षों द्वारा अधिकारियों और कर्मचारियों को दिलाई गई थी ।

स्वच्छता को बनाये रखने के उद्देश्य से द.म.रे. ने एक व्यापक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें सभी स्तर के रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया तथा रेलवे परिसरों में स्वच्छता को बनाये रखने में यात्रियों के सहयोग की मांग करते हुए तथा जनता को जागरूक करने के लिए भी इस अभियान को चलाया गया है.

शपथ इस प्रकार दिलाई गई :

स्वच्छता शपथ

महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनैतिक
आजादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकिसत देश की कल्पना भी थी ।
महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरों को तोड़कर माँ भारती को आजाद कराया ।
अब हमारा कर्तव्य है कि गंदगी को दूर करके भारत माता की सेवा करें ।
मैं शपथ लेता हूं कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूंगा और उसके लिए
समय दूंगा ।
हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस
संकल्प को चरितार्थ करूंगा ।
मैं न गंदगी करूंगा न किसी और को करने दूंगा ।
सबसे पहले मैं स्वयं से, मेरे पिरवार से, मेरे मुहल्ले से, मेरे गांव से एवं मेरे
कार्यस्थल से शुरुआत करुंगा ।
मैं यह मानता हूं कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ दिखते हैं उसका कारण यह
है कि वहां के नागिरक गंदगी नहीं करते और न ही होने देते हैं ।
इस विचार के साथ मैं गांव-गांव और गली-गली स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार
करुंगा ।
मैं आज जो शपथ ले रहा हूं, वह अन्य 100 व्यक्तियों से भी करवाऊंगा ।
वे भी मेरी तरह स्वच्छता के लिए 100 घंटे दें, इसके लिए प्रयास करुंगा ।
मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत
देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा ।